Apirpagan sui Sankaragurukula Serier No. 5. 11 3/7:11 1 3 41 × H 9-4 + 4: 11 ॥ भी द्वार के स्टाइ हम ति र विदान हिए। KCOMARASAMBHAVACHAMPTE CRI SARABHOJI MAHARAJA DETANJORE in it . For a word Day . Vinegas of ara, Vinegavacaspace P.D. EUBRAHMANYA SASTRI B. A. (OX On.), M.A., Professor of Landers, Prasidency College, Maden Essites lay Gurulanto sikhamani, Lastrophasar bace shame, TIK. BALABRAHMANYA AIYAR SRI SANKARAGUR CERCELAM SRIRANGAM Post opa exert Price Rs. 1. 4

Keen travalebarachamper is one offer form works of the iclosestrations Patron of Sansking larry of and every first the same in James of the contract the same of the contract the same of the contract of the same of th scholaria sousicio and Moradai, Le altradi licerally patronized them ley grant of and contract of and contract of and contract of and contract of the part of Leibrary which he foremed and which is

and after him. This literary is can alter

most valuable libraries in carrhode of India

and has been gles at of appreciated by all

soldars, ories at as well as occidended. It

contains sourced have, precious, and

liver of centralistic worker on all brown chooses

being to centralistic worker on all brown chooses

this Ic cent are sampled one seems company

ley at Madarija himself. It is mady foremand ce fer un trasacted and of as he would

diction of the transfords " K seed a said le evy ".

was talk of (as Maner compt of - one for a service of the por (as of a service of Mand Rileway - from the Resingan Mand Rileway - Cin of the service of th Librard. Dier Enos. P.P. Sie in al mange Viergera co esperas Prod. P.P. Sie in al mange Sapar, M.A., for his fine formation of Tonjone to be a sie 5. Submalan any a sarbie of Tonjone 2 and at A elgar over call abordor in all danskie pulierans, for having kin sof good wrough we proofs.

Brixangunselan

T.K. Balasa-

Foreword 134 Vodegasagara, Vodegavacanopate P. P. Sucarahamana, manya Laste, B. A. (Oxon), M.A. (Massas), Professor or Sarskins, Processorange compa, Madras. From the elpanishadic age onweres many Hinde kongs belonging was Warrior or carte have been not and grant parties of liamsalves land and and some orean have learned men also. And some orean have Course distanguished are was as well. Same nodern 5-2-2, not all Mac evel, wind the wire kingly mesons

meest have last come arrespican. Eavan

last - a gh aluitone arrespican. Eavan

to de of on comparatively moreon was, we

to de of on comparatively moreon and come. Cacher who were not only grand kings but
greater, white and account grantes of a stale shal haperation. To this class of quetter-laings lead orgs Ling Sarahaji II was head I major from

1800 - 1832 A.S. King sarbaja II slagarum

in full we grationed one Original words

in full we grationed one Colorange

as a is was also organized we for any

in range of mass one paragraph of an experience

of many values to manuscripes some paragraph

appropriate of saraha to many manuscripes

for many

he some of the saraha to many manuscripes

busy or the saraha seeming his

he some of the saraha seeming his saraha seeming his

he sarahay at the sarahay manificance to a car so full

he sarahay at the sarahay his respondent munificance to so we hope Livery of tangere, which is secrely one of the formation for mothers of the manuscriper, is justey a servery of the servery of Salahas ander his paltonaga and paltonique as many to 30 eru de 2 scholor in were salahas to The are as a least four salahas to his madio stick preserved families of angione Liberary - Since Since Tanjone Liberary - Since Since Tanjone Liberary in at Janjon Liberary - Santes Trasamse. ecays, Emrtesarghada, Mudnaratesar sacchay - and Kaen Trasambhavachampa. Of cats a che Caso, Kum avasambanavachapa er lear in an ansy, floring of anger expressions and calor contained in * For details son pp. 600-41 ora " Grande 600 Taijor Palace Liverary lay roy. 9. 9. 5. 5 april Presidency Calege, Maderas, 1934

que campie as a secondard champe and and follows in Brajasse de footstaps with an assa follows in Brajasse de air com. The case offerent and conditions of conditio P. P. Seeler al many Personage and Callega Mason 16,8,1940 11 217:11 11 di 2012 4 + 4 - 1 - 4 + 4:11 118मी शरमात्र में महारामिक के ना मा म्म भारत्यासः मारमारमार केम के साम के ल जारा रमंदेश में वर्ष के 1 कि म्यो नम् व्यवा दे नन्द्रिय व देव में मारो क के भेड़ा न्त्र महात्य निवयहार सदी यूरे में महाराम नर मारामा है के ते शहर नर में नर में भी मारामें स्वे मुक्त प्रो इवार क्रिक्ट्र पर सम्प्रा के 5 कि ला पर विसालं देम श्रेलरफार्टिमाणार्थालासद्भा त मात -राक्षां भारत्य वंशा ना रेग्या मुना देश क्षां अवराताना में र्वानामस्यानतीन नगरी तन्नापुरो विस्ता। वास्ती कि तम कि वा स भी के रेस म राम हम माने के बता असा यालय पूरितो तस व राजमा जो क्ला दिला शोक ते ।। ३।। तम शीपरमेशवरा र क्या भा होरं दार्भिशोग को मालो के के विपाल मी के कम में विशेष में वर्ष पाने इश्वाको दिव सक्तती दशर्थ : पड्दर्शिकार्वित अवनिष्ड (= प्रत्यातं रत्वातं रत्वातं उत्वाता उत् वातारिषः स्वाहित्या विकाले ।।।। ताह्यमः शरमाना नर्ग्यमतेः साहित्मरामान्यू-= ガーので: a or it of a sem भारती रामकथासुधामधारितं यम्पूडकवर्षं स्था स्राजकार न मार्जिमारसण्डे श्रु प सन्दर्भतः सम्बन्धात कुमारसंभवन अ अ किन्द्रका कर्या तम्म ।। रा पर ह्यमणी ह गयर पतं याने न ह्यार परं बार्य पद्माविकार्स लं म मनते वास्वायातां मान के।

सगिरितमं हि तमी हैसी राष्ट्र सुधामा है के ये। ये गर्ना

स्वासी हरमान्यों दिताने साहिका या वियम्।। दः॥

, जारत स्वस्तितवाद दुन्दरत्र च्छामो ललासत्यन्दर -की डिल्मिकार मानि मीजाम मकःस्वाच्छ न्यास्तारम त्यू मी। ला नामी क मुला कलादि कर हा से ला गुजर दें बता -रत्यों मम हिमाचली मामे हिममूम्मो नर्सा हिशे ।। ।। मं सर्वे डार्ने मही परा विद्रांषरे वरसं धारे में पुरा दोग्युं वलाद्या गुहास्य सस्य न हिसं स्रोमानामुल्युम्बील । इ.सं: पूर्वकारम लाम्डकामिन सन नारकी काला भी-लीलामण्डल सम्बदं वितन्ते मे धातुम्बन मिने ।।। र॥ या च, महादेव इक हिम्म द्वण उपाण्डरे, पुरा को तम इती-सुरलोट र न स्ववन बंशाधिकाते, देशास हम सर्वाम् इला -सार्रण्याम, पुण्डरीका सवश्रम इव वनमालाल द्वते, वार्षामा प्राप्त का नामा प्राप्त के रत्न सामा मिण्डले, महाकासार हम स्वित मुर्ग ने ने नात्रपुष्ठ रीके, नियो त्या ने मूमा वया हिमार ते. ध् वार में मार्च पुरस्दे मानामित के के में कि से ता माने के दाता मां करवे मुख्ना में र न्यु मुन्द मुन्दा प्रणान्के व निर्मा ना वा मुन्त के स्टिवर मी-परिसाल डेलव:, सालपराहा हार का मेला कंड स्वानुगत विद्धालां मार्च कारामिनार्जाम, हमन्त्र न करनाय र मूर्ज वन एक स्ट्रिक्टिश मन्द्र लेखाः, वर्गाः, वर्गाः, वर्गाः समीरपूरणमें किन्मरमिक गामम, अण्डलाने तण्डन वाणी दूरा-क्रियान प्रमान प्र रवान सुरु और देश पट्टः, वानेशास्त्र के के करणां इस्मेल ही ता एवं सुदेत अदीपाः, १९१ते प्रमा अपने प्रमे -धरा गा अपने अपने नां ट्राय कर्मी के अपने अन्योत मन्द्रमेन असम्मेल, विकामीत इन विकासरा द्वारी नो अस्य कार्यः इत स्वात १ वहुल कर यल बाल कमरी में भेरे बा नवार्थ हो भित्रामा शहर । अधनाम नर का माला पहला शहला । भित्रामा द्वामां अपनिक एवं निरस्क्रियां कुटल -मुगानुकार परिशाला के रातामां भारति से सम्दर्शतला देनदारा ना वाल स्के के क आमा का दे हे हुउ, उन के मुख-प्यामित्योधन ११ देश विश्वाने विश्वाने गणसम्बिः। कि त्रुवां मानसी चनमाम प्रमेश स भूपरः। मेना मु त्याद्य तमास तस्कां सेना कुमात्वमार्॥ र्देगान राम मुक्त स्वलंबरक स्ती पूर्वपत्नी पररे-कत्साहे मेह भीता व जानि हिम बता भीर्या मेन दासामी । प्रास्ति दार । प्रसादी व सरपर गरने गायन: शहराहदाहरू पा श्वासा दुव्य मुक्तिना दिन म मूट्या कि सी खान के सम्बाः । । ११०॥ आता रत्न शाला दिव च शुश्रों अन्धारें पार्वती-त्या स्वकाताभिजानं क्ला प्रामित्र मान्द्रीय वाक्योदका। दृष्टमासेन्यमं द्रष्टाम् नवं रूपं हिमाडे: पिताः मुनित्ने इ यम्मा स्ट्रम्य स्वेन विमार्गेन तम्।।११॥ सा सो बर्ग पुनीतले ही काते हो देशे सार्थी के हम न्ते उत्तर त्यम द्वार सम्बार सामानिया अपे। अवापादं स्पुरद्वनारे नर समस्या द्वानिक्यं न्य-स्तरमाः शोभमात सम् धातुर्द्धराशिल्पं नमी भीनमार्थ यातिभड़ां ?/

क मां लो भिन्दान के स्टमनी भी केनदा शहर-स्या था देती अस्तिम मिलप्रित बत्म त्राय वार्तीन्तर देवं चन्द्र रलाभरं निर्मास्ता मन्द्रिता भन्द्राती मीले ग्राह्मेल शराब्द न जिस्मिनिकेको सक्ताताः॥ १६॥ करेनो दसा सीटि त्यारिकना नपूर्व जान ने शारी इं इत्येत्रमूति मतसङ्गः पश्मितः। ता परतरं परवा द्राकरम्गामाकी परिमले , इ माडे: उसी इसा सबस द्वाड़ी के ततरी | 9811 रूपे तपसां भारतस्य न नो मुखान पारंपरी ग्रमाणां प्रवदायको उति भगानाम् भी चन्डमीली १वर्श का की में - इसहे-ड बासुन रूणहों १ नयदी ला हते सन् संबद्धं तक्से क्यार मलका के ना निकाल करें। 1921 प्राचा गमम गास्का हो स्वर का ले व्यक्त सं सं स्तारको विद्यम्मे से विद्यासिलाक्रण अति भी श्रास्थी मित्र के हो। अति त्र मार्थे गालम स्वरूपं मानाले यूलसमाधान योगे नि शुद्धे श्रामान् ध्रेमे अस्मिला मामापि विमुद्दम आयोगमार्थी प्राणम्॥१६॥ एवं तह लपस्पतीन्द्रमुद्धे विश्वाधिक योगीनां त्रियामाने नेद्रवन्त्राक्ष्मे लिक स्थार्थ はない!: भू मित्व वव रामा नमे र बुक्मो तंसा गणाः वर्दि तासिक्ता। दें तकं वार्डा दे प्रियार का रे के कार्य भी विशा =12011) d-12/150 महो भोडके लास्मेन् हिम धनाशिलानम् रहने; रमरा में कार्यास्य प्रच टिलमदाने शरमसः। क क्षान्डिक स्मर भागा निर्मा मिना। विनमें: विंशनां द्याने कु विनगदादायम्मा। १८॥ अडिय सं निरियाम:, अडिय लामाना निर्दे के लाप १ कर्या ला क्मिक्स द्वाम स्वाप स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्विन न्द्र क्या स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण के न्द्र क्या स्वर्ण स्वर्य स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण अगलतः पुराराते : शुक्ता पाये प्रमतां विमां लेत्राः देवामास्त / अहि कि: सममानम न्त्रम कर न्ये ने प्रमा रेस्ट्या देनं तं लायासे स्थितं गिरिस्ता शुक्रम्या में तोषमत् ॥ १६॥ शुक्रम्यां लन्नते त्यां हिमामिरितानमा देसरे नस्य लायत् माले काले का मात् भाकाल माम मानी कामा कि ता डारी नम्योसंस यन्ड स्त्यदम्तरसे : शान्तसावि अरकेदा इक्ता देवते इद्यासरामिनाम्म मार्ड मार्नाम 112011 रेका रामर की खेलां प्रकार देवार में सके कामा बाय तया विभवण बदमा मत्या विकि वृद्ध पुरी विश्वीत्यादम र क्षणा प्रायम् देते मूर्ति असं विभूते मारात्मं अवत्र त्वेद्यस्मानं नेशा वरं के दिन्य।।२१।। त्यं हेनुः सम्बद्ध नाम्त्रे भयतो हुन् समस्तरम् क नेशः कर्णन नेडस्ति शार्यनाशियामस्थानास्त्यां निदु । किये पुरुषं परा तपरतं रो तस्म हो का दिसम् 11 2211 इत्यादिस्त्तिः प्रत्नावद्यो स्थारम्त्रीयम् प्रत्ये हिराम राषाप्रमुखनी मा मजन्मे न विस् वित्यने विचिता सार्यानी वाचरपति मेर्यत्॥२३॥

क्षेत्र मानकतिरय शत्राचित्रं मरमदणदं त्याः प्राप्तवरो त्वालिस हदयो रक्तारकारको तस्राः। न्द्रमान् पीउमात प्रस्ट कालनस्वस्मा ले उमरी। 2511 , प्रती चण्डमानुस्वित्वाला हु सातप कु ह हा रूर मा को उति अल कत स्टर्स पुरोति लास का प्रेम के मल मुदुल निर्मा को प मुल्लातमं करोति। एक शराहरो असे निका हिर करोष न्यका प्रायो दयास्तामको इति सर्व रेन स्माता कि रवातिन रतं नि के वमाणः के वलां हर्यु उत्तरं कलां म महाति। भ्यमं च रूरागातिः भवना समय देखतार्तममः स्थित के प्रतास्था करा है के स्था के के प्रतास के कि की का कि की का कि की कि कि की म्नादरला के दरी उपि तहुं पायल के मानि र त्या में मकराम करं अधीयकभाग उपदी उराक्षी एते च माजलम-माल मार्गम स्मा नाम के प्रमुखा मुम्दुंमाः स्मिर् प्रमुखा मान्द्रामः ।स्मिर् प्रमुखा मान्द्रामः ।स्मिर् प्रमुखा मान्द्रामः ।स्मिर प्रमुखा स्मिर प्रमुखा मान्द्रामः ।स्मिर प्रमुखा स्मिर स्मिर प्रमुखा स्मिर स 2-11/12/20 असिक्याना इसमं उपायाक त्य मेरेरिल पुकर्में राह्माय मान्द्र मार्थ हिन्या भन्दलपा द्या विराचिता; स्कोशामगुरिषडुमा-मतेना स्वी स्ट्रिस्टू-दरीनिय युमा सन्दी हता किस्ना था। 3 यहा छप मुरोर्थ लाए मारित श्वासं नवा तक इ. गं १९३ गण्युत्पारम मेरोनि जमनमस्तितीर लीलाम लानं मिना में स्वस्ति हिन्माः व्याच कार्य मिन में जीता उत्ताना कीः। र्मा में प्राप्ति का कि विकास दनं हत्या दिन किया करते कली करने किया है ने नारात्या 112611 नि चो च्ये: भनसं अशर स कलादि - उसक काला की नं मूर्त स स्वशस्त स्वराष्ट्र स्वराष्ट्र व स्वादि - उसक काला की नं उरे की स्विचे स्वरास : स्वराष्ट्र के कलादि - उसके काला की नं उरे की स्विच देश स्वराष्ट्र के कलादि - उसके सका काला की प्रत्याशा असि म सत्युदर्शनसदः उठि असे ले निवन्त्वत्।।३०। दान्न नरमस्य मे पेषु पुन्त मा नर्ति परिषु। 250 मरका ने तरायात दी मं कि । में तर्दिगामा शावरी। लस्मादस्य दुराटमनः प्रशासने रो नान्यमी स्मामने तं चुन्या पुरतः पुनः भिष्यस्थे उत्याहरे,द्रोडिकत्। नामा उदं अवतां अविकात परं काताः उत्ते के प्राप्ताः सना । प्राप्त करें प्रमा प्रमा क्षेत्र नार्ट की देखी नार्ट की के कार्ट की कार्ट कार्ट कार्ट की कार्ट क मान्यस्तं विष्टित रंखितं महारेखः करं म्योतिषां म्योति भेव म्या न नाडिष टिरिटा विरार्धतात्रणः इप्लिट्॥३॥ इत व्याहत्य अवलक्षित सराविज्ञासने महेन्द्रपुरना 133 TUTE E # 1

तात्मा के दि गुणा देवारे । मनसा का नद के मागा त्यू ती श्राहिक दमें डार्स मा पास माला के पार में के लेंगे। भूत्वा उत्तरालेर्यातः प्रथतेरासी दुरारा कृति। ॥३३॥ इति शी मोसल नुला माल है- से स्नुल को ला न संच्या पुरं पर-भ दे स्टार स्ट्रास्ट स्ट्रिक हे स्ट्रास है। Belly 551271793 वास्ति वा क्यां सहसं भुगपदण हरेली वा भारती त्यु भूगां प्राथित वा भारती त्यु भूगां राष्ट्र ्यामणा दिस् भूमे: सम्देस नामें में मही समाहियाँ 4 = x = 3 = ग्रहन अन्तुं मियरतं कर यथत समारमा नं उद्यास्म् ॥१॥ ことなる。 देगारायक नार्यम्भित तम तत्वती स्थित व कम वा लायलाय क लो का में मी कार्यमा दीर्थ तपरतपते। सोडं संहितसायन स्य धनुष: स्टान्मे निदेशास्थतः करते मान्तिमसमतोड किलम ति स्मादेष स्कारितः ॥२॥ शोगी द्वा तन के नित्र के प्राची मास्या का के के पत्नी मास्या you care ्वं नाउ-दस्कियुना करोगी, सुननं मं त्यहरां त्वं पर्या यूनः कायन्या तमोमी सुद्दीं मं पुरुष रास्माद्रास्था ॥३॥ an or / निमान ने लाम नं वामायुक्त के वर्ष स्मीयायुक्त पुक्ता स्वी ह निक्ता कर कर के ते महत्वान who has sont to the training to the country of the country of the sont of the country of the cou Esta ciacai स्रो न न न स्रो मम डे र छमे॥ ४॥ रमारं ते र इमने में लट्स लु उरु भया न नार्से अवान अगरा को अन्ता न्याद्वाने क के उन्तारं स्ता विद्वाली 11: ENDURY सेनान्यं अनिर्देशंत्रमा बार्काने वार्ष्याः॥दा स्म न त्या हरोड धुना समाध्यो जामारिक लो सकता हिसा हिना हरामा हाता नारी अने दा अर क्रम का क्रिके हरे वाकिसुरन्त एक निश्वः॥ ७॥ माम के कार्या कि हैं उस कारित विवासक कार में माराहरू । कि कं ते साइ-मधानम पुरावे अजिता मुन्म मानो उसे देवें। かるかき! - द - मारा भेनम् ने : परिमल सुरमीन्त रिद्वा वडलां ला-मिन्द्रेर मन्दार माला मादेल मनारी अगरे वक्ताणाः सहस्रिं। रा। भूत पते हिना लाले भी प्रशासिता है। भूति मतेन स्वादेन मा परेन सारायुका रत्या चानुस्ताः शाने : शाने : थेमजलं त्यापना 21 00 20 00 00 00 00 12

ाया अमर्वे लया मिक्रमें मुनीनां मने-, क्रियं चरणे पर मी पुरम् तमनो भूमनः। तकारणादिश्मे । देशं भज्ञते यहाना शतां था मित्राम हाक्ना हान लामकारेन न्या स्वर्मीत्।। हा भाशिक्षा में देशकर्य प्रमुप दर्वर विद्या में के u- = कर्षा के कासार मार पुष्पाणक अगल सकता को क नुस्त का दा मीत्र। As'ck. स्वय श्यूत उसूने अ घर ल विराधूनमार नामा अरामा क्रांत डमा | विर्वादियं कारियारं क समम वि कोर् वर्ण कार वर्ण कार्य 四元初 कम्मिन्द्र न द्वारी प्रभावगानमाने लान्द्रगण्य। are al 43, 41500 to affai - 4215, 400 119911 । प्रेमाल वृद्ध मामारीरमः व्लोच दिन्दान -रवर्षियातम्मरा मुगावली को कभी। चुन्न मानिनीमनेति करानि थान दारिन। मिकारि यून सारमस्य के उनादस्नदरः॥१२॥ 013 15. 2545 = Uni 111 5 + 5 [0 - 203]. | ESIA (BAINI & N & MI GRIT: FEDI TATIE 4 1/93/1 १५० तम तपस्याली महब्दाः अन्ताल स्केन्न्तां वसत्तल स्की-中自广西文号: तं देशं मदने एडील पुभनर नारे अपने समं रत्याय । डिसमा विववरिवलडाडाके आवं मियः। लालाम्यः विस्ता समं मानु वर्षे पुरुषे कारो म्याः राज्या मीलित लो चाम के मुर्ग १ गुड़ मता १ १॥ गाण्डम नारे करेशे उद्दे करेश -रम्भोमना म मुदंस द्यानुरागम्। अक्ति के स्टब्स किस्टिस के मिना में प्रायाद्व व्याद्वा दियाः करिक्कीरागाः॥१५॥ श्रमाल का की का कि माली है ता कि-(क्षित्यकारी मुस्में । के मरे वा मिकारमार्। प्राम्य राव जातानां पुरुष गुन्द स्वामीनां प्राप्ता स्वाम स्वाम प्राप्ता स्वाम स्वाम स्वाम प्राप्ता स्वाम स्व हर: शासायक रोजितिर एक दिन्दि कमानसः। भानेश्वरेषु विस्मानां न क्यावी । सी मानुष्येत्॥ १७॥ भगवा निकरी मुका प्रेमानुत्वसंत्रमा वापलं मा पुरु मेल विकार दे मानेश्वासमार म्याउम लहान शानाको पश्राप्रचार मम वसं रहास नात् राममम् नि मं व्यस्तामितास्य दर्गियां त्याचा प्रयान पुरः शुद्धं पान्य रवा विशन्पर्येषे र मिना स्परं विमानाः । १९०१ १९७ र मन्यतः होम बत्यामाचे त्य कामां नेपाषु तम्सरणं देवदार तर्वेद्याम्बद्धस्थानं एक देवा सम्बिता वं स्थान सुनदर तारा कुलें भू मड़ा भो नम छ नारा कलाए मार्च न्मा वस्ति विग्रा क्षेत्र वसमं कण्ड प्रमास्य मारिया रिलोक मागुलारा विस्पानि तपक्रमा ला भी विस्पान आरामिवार् के कंटरम मा पामाणार मेवार् न रडाया अस्तिक के प्राणा निल्ला प्रदेशक मेव विभागामक कर्मण असेरिका कि मी मा निल्लास के बन्मा नामा नामा

ciental forcason Hazir an at & ATOTICE अ जारिक देनो ऽ पे वा प्रम्मला के पार के नि में। भूत्वा माम्याले रणताः प्रवेशसी दुराराष्ट्रीः॥३३॥ द्वान भी भोसल मुल मल के न्यो स्नाय के न सुंध्य पुरं धर्-NS ALES ME ALE ALE ALE SHE SHE SHE SHE Rolly 15/29/29: तासिक करणां सहसं अगप दच हरेली कमासी त्यु गूणां प्राचेण स्वा भिलेषु स्वप्ला पर तथा भीरवं वा पला स्पाद। अस्मामणा दिस भूमे: समादे माने माने राजां स्वम्हना 4 SIFUIT ग्रहन् अन्तुं मियरलं कर्यामल समारममे नं प्रवादम् ॥१॥ = 1=300/ = दगारि में? देगासामक नार्यमाले तम तत्वती हिकता के का ताबलाय क लो का ने मी का येथा दीर्यं तप रत प्रते। सोडडं संहितसायद्य व्यूष: स्टान्ने निदेशमस्थतः करते मु नि म संमते ड निकाम ति स्वादे म स्कार में नः 11211 शंधाः दस्य तमा य नीति। जेपुणस्या प्रश्नी मंग्रा इ अग्यो भी यह पीड्या मनसा नामेन पत्नी प्राष्ट्र । ' तं माउ-दस्य पुना करोति, सुलनं तं त्यह शा तं क्या । धूनः कोप न्या लेगोंसे सुहतीं तां पुरुष शास्त्रामा ॥३॥ you care an of h विमानिं लाम तां वात्रायुक्त के वर्षे प्रमीयापुना स्वामित् मामक रायकारितंत्रताः स्वीक्यो इस् भीता इस्ति। पुरुष्टाको इस ता प्रसाद करातो लाक्का स्वापं मार्थं - मुणि के का सं मिनाक प्रमुखः शंभी रूप सेमि क्या मिना।।।।। | अक्षेत्रं वदालं समरं तं महत्वात् who has set to the training to the country of the c E six riceail स्वरे वरं न नमं मम दे सहामे॥५॥ स्मारं ले ड हमने जिस महत्व मु गुरु था दार नार्थे अवान अगरा को भवता नामाहा ने क के प्रवाह के अवास कामा में उति पत्त वाल मि द के बार सार के रणा थे तें से मा नकं भवती के के प्रकाश के मा सार हो ते अर्थ मुखा: ॥६॥ सिम म लक्षा हरोड थुना स्माधियो जामा कि तो 一人知子学 यथा हिमार्ड नामना ह्लान्तरे अने ना या। क्रिकेत हरे लांकिसुरन्त एक निअलः॥ ७॥ - अन्याम वर्ग निर्मित मेर दिन मेर दिन मेर किया के मार्थ 1 कि के अ कार ना की रात अ अप आ के कर आणी र के में - द नारा भे नम् दे अरकत पुरमीगूल दि द्वां वडलां ना-如河南了! मिन्डो मन्यार माल मादेस मनास्टिमा मे क्रमाणः संडर्फि ॥ टा। स्वा प्रेड्स से में रेट का लिए हैं। १ प्रिक्त से का के के के के का परेन सारायुषा रत्या चानुस्ताः शतेः थतेः थेमवतं स्थापवा-अक अव भारता में

राया अमन्दे ने में विस्तित मुनीयां माने-, अन्य बर्गे एड मी पुरम् कमने मू मतः। श्चा विभाव दाक्षणा अतिलामिकारे न न्यार सी ।। हा मारी मान वरीवर्ष स्टान्य द स्वर्श लेक महे में W- कार्य र ने के शहार के पुष्पाणक भागत मिना के ते के स्वर रे समीका । A-s'Ac. स्वयं स्मूत असर ता निरमू नमार नामा कर रामा कर्मा दिन विक विक के का कि कार्य के सम के को वर्ण को कि के के कि कि कि कि कार्य वा अविति मंद्र व कारिंग प्रमाश्मान मान्यारा । attack to 3. 41500 to a gai - 42 5. 40 11 2011 13 I m g 30 107-14 x + x 51; 20 1 4 1 7 20 1 4 -रव राक्ष वाल मनभरा मुगावली वने कमें उत्पत्त हा। ने भी के नेग के दारिन था क दे दे गा ; 1 -175 A - 20 4 25 KA 30 3 AT E MFEX: 119211 c14 12 920 x 5 for 111 2 4 2 10 - 2011. (# 12) ENINE W 4 - 1 4811: FED 1 2 - 11 1 3 11 भागा कार्य के कार्य みくけるなるこ में देश १९१३ १८. रे सम्बर्धारे प्रकले सम र न्यांति । के सम्मा नि महरू नि लाइन्डा के वं मिला। भो न हा । डिया समें मानु वर्षे पुरुषे न पाड़े मूगः र जरां मोलिल जो जनाम के मुंगी शहुर 4 न्या मता १९॥ 1103 म ना दे करेंगे उसमें करेंगु . भागात के मापुरंस द्यानुरागम् । भागातिक स्वर्गातिक विकास वाराद्ध करें एकार कार्र क्रिया कार्र मा - मान द्वाला इन्हें का कि जी का को दूर का कि-भित्ते : कार क्या कि सर का कि समाप्/ त्यामित्र व स्वामा पुरुष गुन्द र नामी नां हर: श्राहारक रोग्निर पा दे डियमानर! भामिकरेषु विस्मानां न प्राची गति गति गति । १० ॥ १५४ लता रह दूर्गता वा मड्यो कारित हेम ने जलो मगानान्त्री मुद्रा प्रेमेग्युलिसंस्या नापलं मा पुरा मेर विच्हार द्वाचिश्याष्ट्रमा स्याण्य में लहारं द्वान्तारो प्रमुग अन्यार् सम पन्तन्द हास नात् दाम मम् नि में वसस्ताम नास्य दर्गिय त्य प्राप्त पुरः 2/3 पान्य र्या विश्वपुर्भे के वर्ष मा स्यहं । के असं । विश्व १९ क का माना कर है। का का का कि का मार्थ देवदार तर के देवामा का का सी मं सकत के को मा सम्मिता य स्थान सुन्दर लारा कुलें भू मड़ें भो नम ह नारा कलाए मारा निनं सेर्वीं टर्च देशांन भासा शेर्च रावे परते प्र महिलेक माम्बारा वि स्टान्ट तपक्षण ला हिन वि तर मन्द्रे

लात्माकार गुण्डल्यरेण मलसा कन्द्रणागात्स्ती अ चारिक दमो डाप चा क क कारा इ चार करे ति में। भूत्वा अञ्चाले रगतः प्रथते रासी दुरारा कृतिः॥३३॥ इस् भी केस हार जानुकार सारकार महारामा के प्राप्त प्रें पर-TENTER AND SEE SEE SEE SEE SEE SEE Per 1512 = 1 मास्मे मा क्यां सहसं भुग पद्य हरे विक्रमासी त्रुभूगां प्राथित कर मार्थी द्या हरे हरे का स्थात । भू आमणा दिस् भू में स्थान माने माने माने दात्रां स्वमूहें वर्ग मुकारणा ग्रहन् न नं मियरतं कर यमत समारमासे नं प्रवर्गास ॥ २॥ = 473 or / (2 x x 7 ft : = 471 ft = 63/ देगासाम्य कार्यम्भे तम तत्वती स्थितः के व वा सोडकं संहितसंयक्ता या योचं तपस्तकते। करते मुल्लिसंसते इ किला ति स्वादेष स्कू जितः ॥२॥ शंद्री: मूर्य लग र मिल में पुणस्मा एवं की मंगा कारती तो वद वीडमाने ममसा याके पटनी पुतास्। you care टमं मान्यस्य कुमा करोगी सम्मनं मां त्यद्वां त्वं करें। on in धूनः काष्या तमाम जुड़ी मं पुरुष राज्यात्राकाम् ॥३॥ विकास लें आर लं तामायुष्य कियं वर्षे प्रतियापुर्व 14-01 - 1 who happens to the total and the country of the first of the total and t अक्षेत्र महिला रमरे ते मर्ग्यान Esta viacui स्वरने दर्ग न नम् मक दे सह हा के 11 ५ 1 रकाइ एर दक्ष मुक्त सदस्त वी येश तमत्त नाइ अवार अगरामां अति पत्त कार्यामा से में वारमा के रागा के ते Novement 1 से ना नमं अ नली र्यं में के में में ना का निकार महिला ।।।।। स्म न त्या हरोड धुना स्मारियोगस्य लो अलग हिमा उन्हरू हतान्त्रे अने का भागी कत्रक सा कियोगातः वित्रसम्बद्ध न दिन् । कार में कार्य हिन्दी उस कारित लामा मारा म्या मारा है। । कि के ते साह-न मा कम पुरादे अजीता मुन्म मानो ड दि दे में ने - द मारा भे मन्ते ; करिका पुरमीनून रिद्र गडलां ना किन्द्रे मन्यार मादन माने म माने का कार्या । इन्द्रें। हा। 75940 = 31 20 39 21 31 37 1 .

टाक असके नहां । ज्यान में मिली में -, जन करणे पर में पुरमू नमने मूमतः। मोठणादिस्ते हिशं भजाने दास्म ना का में का देव ना हर भी । । है।। मडें के क्या स्थान असमे के कर अधिरात्र भाषा अप के ने कर का दा भी के ने कर का दा भी का ने कर का ने का ने कर का ने का ने कर का ने कर्मा १३॥ विक्रिकः नमित्र मार्गास्त्रमा । वर्ष निष्ठा । वर्षान्ता १०॥ -अ अ की ते पत्र के अगरों प्रत्यावमान का त्र का का -124-111 (23, 012 01) Emallai + 6215. 40(119411 । क्रिल वुद्धाराठ-जनर रिजाः दाली चार्ता रिकान-रवदाक्षितातम्मदा मुगावती को कभी। चा काम मामिनी में में दारिन थान दा देने छ। निकेशकी मूल सर्व स्वर्भ स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग । १२॥ da 12, 222 de 5- Ed 11 - 5 de 10 - 503/1 ्टियाने । देवाना क्या ना देवारे स्टा केनामेन ॥१३॥ , प्रात् ना तप्रकारों मह विष्: अन्ताल संभूतों नम नतल दर्भी-हाल जो का कारी के प्राप्त के प्रकटमा अवसे में में में में में サミノンコンスなる मंदिसं १३० १८१० स्वय र नारे अवस्ते स्वर् राम्या । ते सम्मा नि पहुर्ये अपने प्रत्ये भार्ते मिणा। इन्दर्श मोरिया मेर मामाने मुर्म शहुरा द म्यामाना १। 1103 म नार द रहेश उददी करेटड -अवस्थित स्वर्ष्ट्यान्त्रणाम् । माराइ का किया है। कारेक म्हार है। १४॥ - मान द्राया का की का की ता का का का न भिर्म न्यान मुख्य । के नरे वर किक्समर/ लकाम्यान प्रतामां पुरुष्णुंच्यू स्नामीनां The 45 00 2002 01 2012 01 201 201 55 FAC (19 21) दर: शुलाब्द केरितर पानि दियानरः। भूग-मेर परेषु विस्मानां क क्यावेड हो मानुष्टेत् ॥ १० ॥ भगा गा नव की मुद्दा पे ते चातु न से समा चापले मा मुद्दा ते ते न (किट्ट म् हे मुनिश्च लास्ट्रम्स्ट स्याण्ड में तत्राणं २११ न्सारो पा मुगा अन्यार रूप मान प्रायम मान दामम म नि मं नमस्तामि गरम दर्ग नम दर्ग प्रमाण पुरः २/डें पान्य रचा निया पुरारे पे द की मा समादे । च माडा : 11921 १९६ र मन्त्र है। जानामिक का नामां नेपाय कार्यारणं देशकार वर्षे के देशकार महास्था में एक किया का सम्मिता नं स्टान सुन्दर तरा कुर्त भू महारो न्य ह नारा व लाप मारा र नगरिवसम्बिगुणा क्ष्म् वसम कार्य क्रा से स्टेनिया निया कीर्य रामिक स्टेनिया नर्लोक राम्ला कि स्पानि तप्रमाला कि विस्मा नारामिका रुष्टिकंदरमा मा पा मार्था र में बा ने मार आर्थ. STRIFTE ASH-OF THE DE TON MINING

ार्थ नक नामित प्रणालक्षेत्रमुकारान् काले कुम्पर्यान निक्ति व न, १६१ प्रचार म् भारता मान कार्यात मान कार्यात कार्या कार्यात कार्या कार्या कार्यात कार्या कार्यात कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या का परमान निया शासनं क करेंगे हैं। उन्ने निया ाले स्तरतं स्तरारं धनु । में ने करा न्याला एक स्तार देवरवात्। विकारा दुसरस्य श्रीमिनिय सरस्य प्रमानारी खर्मा लान्द्रमा थील सुला सरनीपरिनृता तत्र प्रदेशा १ शोभना ११९। तां स्वाचित्र भाव वस्त्रमं वस्तिमाना । निकातां लासी सालादिवाकरार्णका ने भेषी द्वामी लाया। ad on 2 Sign स्मान स्टिन निर्म के रेन को न द्यतिकां कर्न नहीं। ही । ही की का का निर्मा के निर्म के निर्मा के 1 2037 EING 2037 EING मं शम्मे : क्रोन्ट्रमानात्वतीं कर्दी श्राह्मातात्वतीं भी ले न्द्रस्य हरास, तहर का वेषं भू सं रामा प्राप्यतं। स्टिंगेड स्था: प्राणियात पूर्व का केरत् पुरुवाल पाद देव शामारे: पर्वत सार्वभीमतम्बा मूह्मी प्रणामं ट्यायात्।।2911 عارمه والمرو or trun ain, vite /

इत्याहोष: इमुमे व्यस्तात्मेले हर:॥२२॥ नत्यालं मुख्यामुको इत्ते विश्विकत्या प्राम्म स्वत् हरं वाद्यं लक्ष मुमा समय मकरो की की रामा, पंपाका। म्यो वाहेषुरवं निविष्युर्वशः कोरो गण सन्दर्ध--100 11 17 17 17 17 17 17 17 2 17 X 21 1. 412 25 50 Frank Bris. 1. 50; 12 6 52; 12 4 (20) 500 7 1 50; 5. 1 -19-16、かは、スコノ文ノをのいたなかい、スイム、スイム、スイム・ストルナート و المعرف المعرفية و المراجعة दर्भाष्यां असम्बोर्भ त्यारेनाम्बर्धार्थे हैं व्यापन्ति । राज्यारा । १८४ of the many of the first of the second of the second 11111 1 20 4120 HT & Konges: 40 1 311 17 9311 2211 भ ज में भाग राहे राहे में हा है है से मार्टि हर नामक हता हर मनाल माताम वरकाम । स्पारे मु कुलियाक्यां ल्या चनाक्यां (के) हेत्वा खिली पडिडेसा २ % प्रायसाः छि' म मार्सः 11× हा। रम ना स्टाइस्ट मार प्राप्त । नेम नाइम्प्याम भुद्रेसुंहः ासे मनाता विश्व का कार्य का मार्च के विव शो के प्रदेश ! हुए मार्य कमार्गतं भ्रियस्यं अर्जुः शुन्ते नान तं महत्तारिममुद्रात्र । हिन्दे । । ११०१ ११ में मिल्टरहरू ॥ २ ७॥ रेशारमें शतमानितः पुरानितः ने नामि दुर्ग्णाम् यानुष्टा प्रमानितः दुर्गिताः अध्या शं लायमने र अन्तः तर्मण्या ताचारित रा वाण्यो देता दिवामा वर ने स्या महास्त्रीय राज्या । कं म्हानाते वे नार्य कामार नासक नार के कर्म थुं पुढे रारस्य स्वान्ता सम्बन्धी न्या मा करारोज्दे में।।१२० न्यस्य न्या दत्यान्ते न्यस्य अनीर्वे हार्। ट्रामा भी भो स्वला दुल जा लाहिए को स्वाप्त को का मर्स करा पूर्ण पत् - कुमार-किमार कार कर के लें के डिसेक आह रहता।

,प्रवास्टिकार, मड़े समसा ह भी से दें देवरा।

17:

कार्या । ने क्रोबन सक्षिन प्राप्तं मुनीनां अतम्।।। स्थानाः वाद्वानाः वाद्वान स्वाचित्रक सम्बद्ध प्रमुख । त्र देव के कारा प्रमा में प्रकार के की में। 12,200 man 4 2 2 moi cuy >- 40 11 811 लतो व अगोमार वर्षाल पताम चु भी चुलि गुलः। - 47 छ त्यकानिकेल में न सारी मिन के कण रेमतीprea रन्मे को कि तथोगमों : मुनदमा मुक्ते रकाइन हों! 12, माना पडाने भागमा त्यान माना माना प्राप्त । विशेष (122 ीर्थाप र रूप नामा लया हिन लेगा रेप सी रायग्रम्काल के persone of a him म्यार के का भी देश में वा तत्र का मिला का की की लकास्ताम् ईक द्वां में चुतं ने वस्ति। वा अवधाने क्या स्टार्स के सम्मान के स्थान के स्थान मार्थी । र्या के स्थान के

माला कर्ड के ले नाम के माना के गाने : स्टार मा नाम

+ 12 मार्ग में की वर्गा में वर्ग माल में की मा मिला के देश के कार कार के कार के कार कार के कार पुरा भे मेल सका के ना के का मीत, मेरिका के मार्ट में में लिस में है। भे मेल सका के ना के का मीत, मेरिका के मार्ट में में लिस में है। न्यास्य । जिल्लास्य के को नित्र के के मान में के मान में के मान में मान में मान में मान में मान में मान में मान माने ज्ञानी नार्दर वारेम उत्सूष्ट पर भेर सन पाणहेल माना होते करा १५म के १६० ता कि अपरीर स्वीन आफी विकार रहेगा. 3 x137 335 2 (17: 3, 54)

इति स्वामनीवची रायमम् त्य भीरी गुरो र्सपाणम र मुराया । शिरकरमस्य लिंह सप : 11 211

नार के मी । सहसे असक मानी ते की को अस्ति। भारति के मी हरके पर्योग के स्वारमा पुरस्त कर हेम्। भारति के मी सहसे असक मानी ते की को मानी का हेम्। 111111 का अंतर के कामा दिया है पुडिता के कार का 11711

a - Az 1812 2 750

white or all and and and and and and con when !

लाभवानी रहत्रहार कारणात्मा के लेंद्र के कारणात्म के सम्मान कारणात्म के सम्मान कारणात्म के सम्मान कारणात्म के स अग्रामितिक देशमा नम्प्रिया अस्ति हत्ते हे मुक्ति स्था । हो। म्मिनामा के तराम नार्वित मानामान पर ことうか: 新なりのまるしょう タフンズのはからってい १९में पर्ने : बारो भागते भागते । वेश्वे क्या मा गर्ने के मान्या मन्त्रीत के लाहमास माने व रामा। १०११ E. J. B. मान्यं मां जलंगन्मद्रोदी यनस्य अत्यत्यो गई युष्याः उत्ता वा प्राचीत महिला कर स्वार्ति स्वार्ति । । 5. 41 26 5 1117 12 x y 1 y 41 - 210 1 11 1 2 11 2 711 राजा देता तर्पत् अल्ला स्ट्रिंग मार्गिया मार्गिया न माह में में माने माने करारे व्याप के दूर के माने में भी है। ।।१२॥ 同社会以中世纪中国 Comment of the state of the sta A--120 ch 55 55 20 11 12 11 12 11 12 11 12 11 12 11 12 11 12 11 12 11 12 11 12 11 12 11 12 11 *i* – · 712000 -1711 = 7200 1 700 f 13 = 17 2 4 7 41 3d-成果 用工品等 12.11年人民民之11年前日本日本11日1 क्षेत्रा मिने पुरस्कार में में तर है देश की मा में के अब 119811 18 18 12 12 1117 14 157 PORTER OF STATE र्ष राज देश अन्यास्त्य मा विकार शिवान ज्यान को वास में अवितार - या देश के प्राचीत के विकार में कि स्वार्थ के कि स्वार्थ के स्वीर्थ के कि स्वार्थ के स्वीर्थ के स्वीर्थ के कि 3, 1. 11 43 2 1 2 2 1 2 2 1 M FE TO WE WITH 12 2 1 1 1 1 2 2 1 1 1 1 मान्य में भारत की मार्थित में मार्थित मेराम गुम्बाहमं वृतिमवातामिन्ह्टारो ॥१५॥ युरा उरारिइंड्रियमावल मिनलिंतः त्री मेम्रमी नुभाक्यो क्या असम प्रमा । टायाद भगमें निमां भूषां १२ने जोति स कुला ·江南京·西西南南 五至、西丁香州上西州西州 रा शंभीरणीते इस । में जरमपूर्वी समावणं स्वत्र -इंग् शं लाकुमार्य किन्दुते अवसमने वेदमास् १ 12' यह राति के के अध्यात रखा निर्माण के वर्ष गारित सर्वतः व्याग्येतः सराउदि विस्के में केल्से मा उन्हें ती मामिन्द्रा दिन के हरे हिम्मिरे : पुट्यो पला क्यों ड क पहरी का नास्ता हिन्द कर वर विश्वम ता त्याहा तकेड के अवस्थाता। का निका हिन्द कर वर विश्वम ता त्याहा तकेड के अवस्थाता। नुकार केन गदन क डिमन वादा म धुनम्मिमां शाशकीयनरः रक्ता भारते व्याल दाने काक्रीलकाः सरका निकेत्रेतः) जारेशमें त्यमें त्यमाम प्रासीत्।

मान्या स्टून महले प्रमान स्टून प्रमान वित्र । स्टून महले स्टून स्ट

स्था मा मा मा के के त्या मा मा के त्या के त्य

का न्द्र वह तह हरेल सहस्त अपन स्वान हों । भित्रों । भे-4 भी हरेले रहणे अने स्वान मानुरूष का ने हा। यह हनी महते अनाम न, लि ले भेगण मुगायातम आं मेमा ती अलक हमादिसम हे प्रमित स्वेन्स प्राप्त । गा।

ci - 4722 1815 223

whose or all

ter when /

लाभ्य ने स्थालें क वि: असमारे स्व स्वत्योगं तपः। अपार्का मेह बीरु थां त्वद्यर्द्धायं प्रवालं मवं विकासीतोद्यसंभूतं त्व मनोडधोगेषु स्क्रीत्ते स्म्।। ह।। मुनीमामकत्त्व नारितमा यायदपदं castal: सरग न्येनिक परियूने किरोटा १९मं थर्मः छारो भनते भनती हित्य प्रया थरेकं की बुक्का अमान रहन, लास्मान माने शाम्॥ १०॥ and: 24 25. मान्छं मां अत नम्हित स्वर्वत्यत्यत्यत्वे इं मुणाः कर्टमं सास के दीन माहरिक का क्लान्त स्तवाहं कि नः। उसं त्यां दूरानेश्यकोरास्ति नाप्याः के ने विकेत त्यमा दुः सार्थं दुलामातका धुनपुषा वाले तपस्तकते।। ११॥ स्का देत त्यल दास इति महाते सामद्रक्त न (अर्थास्त्रम् कथा विचार करवी मारो हम या स्वमम्। ट्यन्यान्या भरणानि वलक्षामि दं वासी धूतं भीवने अस त्वो वि नामेन्द्र तम् व नत्वगि स भूमें तितुः॥१२॥ नि मेदारामे वह स्वयानं नमे हिन-स्तव गर्य में त्रामें अवस्थ 12िटा मी हदकी तमासी पुरस्ताल-3 27 513 m -1 21 3 + 32145 11 9211 त्यामत्यन्ति विकाशीया मराम् किस्ती में मीमां अते-सर्वां वान्डमसी दिवाकरकर स्थामिनो तपश्मताः। िसेनं कर्या न दूसते असम थो राष्ट्र अध्यो जो बदः मूर्वीया जिल्ला प्रतिमुख्या से माम तत्युष्याचीमा के दर्व अव ॥१४॥ भाग रेल विकास स्थान का स्थान स्यान स्थान स पार्कित स्मित्र हिन मनेर के कराया है। त्यः वाडिनमास्थितं वामलाको मलाद्वास्। यत्त्रीता विषा सापि प्रकल संप्रेड वराया विहास मुख्याहमं प्रतिमवासाम चहुत्त्व सी ११९॥ पुरा पुरारिहंक्तिक्मावल निक्तितः श्चिम्यो वृष्णमुखे पदा इस्मध्ना । टारादि भगने माने माने परा 12ने मोत द कुर्या लया मण्डामान महें सेतु ने से रूप मान्यू ॥ १६॥ सा रामोरण्यात १३ । व्यं नरमपुरते समावपं स्वत -इर्ग शेला समारिया भिन्दिति वावनमनेनेद गास् । ाने, ने हं रामी ज ने अपुराल सकी निसी कर ड्रां मुद्दी न रे मिन के जिस में बहुत कर की वा मार्था। सर्वतः वार्धतः सराउदि विष्ये मे वेद्य भावास्त्रता मामित्न वित्व में हरे हिमानेरे: पुन्ये पलक्यों इम्बली सा लास्या किन्छ दे विश्व मा लगहा लकेड के अनम् ॥११०। industry. नदन स् डिननः व्यदा ना मुलन्मिमां शाकाशोरवरः रम्मामाने व्यत दाने दाने हार्स सरका निनेतिनः 17- Fred अधियान त्य में त्यमाम प्रासीत्।

इस्ता के मुक्त कर हा दूरा के कार्य के श्राम के कार्य कार्य कार्य करने माने क्याश्वर मर्थ । नियमतो इ य स्था त्य वार्ष कार्यो । विषेत्रं भवता कथाश्वर मर्थ । या ३-इ त्या लग्धे जली . हेट्स्तरम तवः किलोदमलयाः पूराः मन्सम्प्राम्।।वेटं। भिरामियाते ते ते ले वरमानियोरं किम्मार के निष्य त्याम हे मानुवर्ते ।। २०॥ हमं लावत्यु मार महाला वन भेवाहिके महा ते भागेरे के मनीय कर गायर देन एडा है के के रिलम् पानि भूतपते : क्षेत्रेत काछिम' पानिश्चे ते कते वासः भीमामिमानि नं प्राप्तेराई स्त्र न होति तार्॥29॥ वासी प्रवासको मली वन पुन हे मार्ग के रनण्डाहीम मर भूतकते भेगासम कर्म सा कि एक ता द कर्म। हिं श्रेत्सर दें कहं मलयमा लेपारवदे वर्ग से पात में बुत्त महा का रक्त दुशां हासां रासीतां । हे थड़।।221/ (गणा ड - मा च विड म्माना तन महुदारे गामारोह के 1 20 an 35 /1 न्ती से गर हो कवाहर का प्रशास्त्र लें लेंगां स्मानं भूतणते । चेलोका सहस्मा समेराममाः सर्वतः माक्सं पारेशसमागारामां। सर्वे करिकं न्याचे 11231 समागते विमाम्ने भा तक दम व्यामने-त्याचार के वार्ड महत्त्व व मान्याची । दर्भा दिनाम बर त्य वहत्त्र इ कार्रेश अरो ह स्में। 12811 न तर्व ने न ती प्रधार्थी हिंग हरें मरमा देशे भाषा के लो के कन्दाच्या विकास महतां लोकोनारं के वित्रास्। उ निरमेक्स देखारा देशा के भी दे वर्ष के मार्थ-(16 5 18 -) (15 of 35 W) (15 of 35 W) (15 5) 21 - 412 (15) 400 11 2 1 1 2 1 1 2 1 1 2 2 1 1 2 3 1 1 2 3 1 1 की नाशी है में मिन के के निका मार्थ के मार्थ में मार्थ के मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ 12 1215 / भित्ते त्रास्य स्थाता महत्या म

में घानमुद्दे मका दमा वाराने त्याते प्रमादित्य क्रीलक्षहः घराने व्यो मा रच्यां करिन्देशमले संचर्निधनागी वद्वारममं वदाति वात्रता सम च्यासामवानां कामर्वापं नहाता। हत्या विस्तुरत्सा स्वान्तम्। रवं मेपानं ।शतमत्त्रत्मक्तादा मवातां विदां शाने: समममाहतां भुनी दालवानाम्। जातो त्युष्ठां पानिक्वानिता माद्यानो । निदासं वान्तीन्द्राशात्रमव पवलो वद्धीयत् कामिकामस्।।२॥ ाजिलामियाम प्राचित्त न मार्ग प्रमामाधाम महत्तमालम्। पर्यो विम् न्यत्माचे रक्तातिः स्वराम्ब्राची चल al 5412 -: 11211 धनाधनानं ताने कद्वतानां उद्भीती यां जाति स्वासाम्। र छ त्यलं छान्ड तमाल मीला विकाश अवपाइर मार्ली मेला ॥४॥ अ बाम्बु वियु एलात्या सम्मन्ततः हिला- विमुड- पत्यसमे समन्ततः) विसार्य म् मुह्य परः या भिनो 1年到一部分四十三年世中明1121 त हाना नयो दशमानिला वः प्यासिका मिरलमा विलापः अन्तरमनेदः स्टारमधीनो व वरार्ग्य द्वीत रामरीनः।।६॥ पन तिकत्यो धमलं धनानां -लिहितं दूरंविनं धनानाम्। भ ला भिनां ना ना ना मुला मु कर दें मका निया छोन्द्रिस प्राम्पाम्।।।। । से उम्ब सन्तो मर्शिक देशको वियत्य मो हं न पना न दानने विद्यान कत्य स्व क्षा करें। जिलीयने नामि विसा न भारत्रिया

50131 H 201 201 10000 उद्देवार दिशेन्डवापः सम्तर्मा वामुवरान वामः। इतं हरन्त् मु स्वरोजा भी लां प्रवोष मम्न परोजलीलाम्।। री। भुबस्तलं भागत धनेन्डगोपरं रवरे म्यूरः शिख्यी वडुगोपदम् करोति कान्ता विरश्नित्मानसं 950 PU HOSICA POUR PHATE 119011 विनोस्ते नो पमसा विवास्तरः। प्रमुख शानांश्राम हो विवास्तरः। समीर और दिला वह देवस र जब : लमा हिमनी दिनिक रक्तरे ठाव १।। ११॥ प यो मुखां गुस्त रवीन्द्र तारं रसत्युलं भारत्य र वियु नारम्। मनो दहत्या कुलाम ६ व गाना विभन्ते राजीन नमध्य गामा ॥१२॥ पार्क न मंग्र कारिता देल मुनम हा नदी लाजिता। पूर्व्यं म दानदी नमति।।१२॥ विराध्निया धनपडि :: स्वन विजिताद्विं पदा सरित। विद्यात मुख्यम्पेन्डी निद्रास्य सम्मास्य किया १४॥ र्सना विष्मुनां छियां योवने सत्यद म्बापितेवा तिवा योवने। अरदा मेदान कुता मुरिदेश मर्थे: व्या न्त्र के। को किनारम नमन वह स्वाय के : 1/8211 पत्यत्याः विरन्तरे के जार्त गाम मान्य मान्य मान्य अज्ञातमा पगा दूल भो से विनादां ला नो च ना १६ के का दानां विनाहास्।।१६॥ । लावन्तः क्षां भी है द ने क करा अलि परं उपलम्बरहे मन्ने ने रामा